Who Was Ralengnao Bob Khathing? रालेंगनाओ बॉब खथिंग कौन थे?

- The Defence Minister inaugurated the Major Ralengnao 'Bob' Khathing Museum of Valour at Tawang in Arunachal Pradesh.
  रक्षा मंत्री ने अरुणाचल प्रदेश के तवांग में मेजर रालेंगनाओ 'बॉब' खाथिंग संग्रहालय ऑफ वेलोर का उद्घाटन किया।
- Ranenglao 'Bob' Khathing was born on February 28, 1912, in Manipur's Ukhrul district. रानेंगलाओ 'बॉब' खथिंग का जन्म 28 फरवरी, 1912 को मणिपुर के उखरुल जिले में हुआ था।

Who Was Ralengnao Bob Khathing? रालेंगनाओ बॉब खथिंग कौन थे?

- He was a Tangkhul Naga. वह तांगखुल नागा थे।
- During World War II he became the first Manipuri to get the King's Commission. द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वह किंग्स कमीशन पाने वाले पहले मणिपुरी बने।
- He was given the coveted award of **Member of British Empire** (MBE) for his role in galvanising Naga support against the Japanese in Burma and India and also the **Military Cross** (MC) for his acts of bravery above and beyond the call of duty. उन्हें बर्मा और भारत में जापानियों के खिलाफ नागा समर्थन जुटाने में उनकी भूमिका के लिए ब्रिटिश साम्राज्य के सदस्य (एमबीई) का प्रतिष्ठित पुरस्कार दिया गया था और कर्तव्य के आह्वान से ऊपर और परे बहादुरी के कार्यों के लिए मिलिट्री क्रॉस (एमसी) भी दिया गया था।

Who Was Ralengnao Bob Khathing? रालेंगनाओ बॉब खथिंग कौन थे?

- Bob was commissioned into the 9/11 Hyderabad Regiment (now Kumaon Regiment). In 1942, he was transferred to the Assam Regiment in Shillong. बॉब को 9/11 हैदराबाद रेजिमेंट (अब कुमाऊं रेजिमेंट) में नियुक्त किया गया था। 1942 में, उन्हें शिलांग में असम रेजिमेंट में स्थानांतरित कर दिया गया।
- During the Second World War, he was part of a guerrilla outfit called **Victor Force**, raised by the British to combat the Japanese on the Burma-India road. द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, वह विक्टर फोर्स नामक गुरिल्ला संगठन का हिस्सा थे, जिसे अंग्रेजों ने बर्मा–भारत सड़क पर जापानियों से मुकाबला करने के लिए खड़ा किया था।

Who Was Ralengnao Bob Khathing? रालेंगनाओ बॉब खथिंग कौन थे?

- He was appointed as advisor to a force known as SANCOL, comprising 153 Gurkha Parachute Battalion which was formed in June 1944 under the command of Major John Saunders, to this force. उन्हें SANCOL नामक बल के सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया था, जिसमें 153 गोरखा पैराशूट बटालियन शामिल थी, जिसका गठन जून 1944 में मेजर जॉन सॉन्डर्स की कमान के तहत इस बल में किया गया था।
- He led the expedition to peacefully integrate Tawang into India.
  उन्होंने तवांग को शांतिपूर्ण ढंग से भारत में एकीकृत करने के अभियान का नेतृत्व किया।

Who Was Ralengnao Bob Khathing? रालेंगनाओ बॉब खथिंग कौन थे?

- He was also instrumental in establishing essential military and security frameworks, such as the Sashastra Seema Bal, Nagaland Armed Police, and the Naga Regiment. उन्होंने सशस्त्र सीमा बल, नागालैंड सशस्त्र पुलिस और नागा रेजिमेंट जैसे आवश्यक सैन्य और सुरक्षा ढांचे की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
- He was the first person of tribal origin to serve as an ambassador for India in then Burma, now Myanmar. वह तत्कालीन बर्मा, अब म्यांमार में भारत के राजदूत के रूप में सेवा करने वाले आदिवासी मूल के पहले व्यक्ति थे।

Balfour Declaration: बाल्फोर घोषणा:

- The Balfour Declaration completed 107 years which was issued on 2nd November, 1917. The Balfour Declaration (named after Arthur James Balfour, British Foreign Secretary) was a public statement issued by the British government during World War I. बाल्फोर घोषणापत्र ने 107 साल पूरे कर लिए हैं, जिसे 2 नवंबर, 1917 को जारी किया गया था। बाल्फोर घोषणापत्र (ब्रिटिश विदेश सचिव आर्थर जेम्स बाल्फोर के नाम पर) प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश सरकार द्वारा जारी किया गया एक सार्वजनिक बयान था।
  It supported the establishment of a “national home for the Jewish people” in Palestine which was then an Ottoman region with a small Jewish minority population. This declaration was issued to ensure Jewish safety amid rising persecution in Europe. इसने “ यहूदी लोगों के लिए राष्ट्रीय घर” फिलिस्तीन में जो उस समय एक छोटी यहूदी अल्पसंख्यक आबादी वाला एक ओटोमन क्षेत्र था “की स्थापना का समर्थन किया था। यह घोषणा यूरोप में बढ़ते उत्पीड़न के बीच यहूदियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जारी की गई थी।

St. Francis Xavier: सेंट फ्रांसिस जेवियर:

- The decennial exposition of the sacred relics of St. Francis Xavier in Goa, a 45-day spiritual and cultural event, draws millions of pilgrims and tourists.
  गोवा में सेंट फ्रांसिस जेवियर के पवित्र अवशेषों की दशकों पुरानी प्रदर्शनी, 45 दिवसीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम, लाखों तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को आकर्षित करता है।
- St. Francis Xavier also called "Goencho Saib" (Lord of Goa). Arrived in 1542 as a Spanish Jesuit missionary under the order of King John III of Portugal.
  सेंट फ्रांसिस जेवियर को ''गोएंचो सैब'' (गोवा का भगवान) भी कहा जाता है। 1542 में पुर्तगाल के राजा जॉन तृतीय के आदेश के तहत एक स्पेनिश जेसुइट मिशनरी के रूप में पहुंचे।
- Mission was to restore Christianity among Portuguese settlers in Goa.
  मिशन गोवा में पुर्तगाली निवासियों के बीच ईसाई धर्म को बहाल करना था।

St. Francis Xavier: सेंट फ्रांसिस जेवियर:

- Died in 1552 on Shangchuan Island, China, and his body was transported to Goa in 1554. 1552 में चीन के शांगचुआन द्वीप पर उनकी मृत्यु हो गई और उनके शरीर को 1554 में गोवा ले जाया गया।
- The "incorruptible" body is housed in the Basilica of Bom Jesus, Old Goa, since 1624. ''अक्षम'' शरीर 1624 से पुराने गोवा के बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस में रखा गया है।
- Canonized as a saint in 1622; revered globally, especially by Catholics. 1622 में एक संत के रूप में विहितय विश्व स्तर पर, विशेषकर कैथोलिकों द्वारा पूजनीय।
- Considered the patron saint of Goa and known for his miraculous relics. गोवा के संरक्षक संत माने जाते हैं और अपने चमत्कारी अवशेषों के लिए जाने जाते हैं।

Constitution Museum: संविधान संग्रहालय:

- India’s first Constitution Museum was inaugurated at OP Jindal Global University in Sonipat, Haryana, to commemorate and celebrate the drafting, principles, and evolution of the Indian Constitution. भारतीय संविधान के प्रारूपण, सिद्धांतों और विकास की स्मृति और जश्न मनाने के लिए हरियाणा के सोनीपत में ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में भारत के पहले संविधान संग्रहालय का उद्घाटन किया गया।

Operation Tamarisk The Cold War's Secret Garbage War:

ऑपरेशन टैमारिस्क शीत युद्ध का गुप्त कचरा युद्धः

- Operation Tamarisk was a covert intelligence operation that took place during the Cold War, a period marked by fierce rivalry between the United States and the Soviet Union. In a bid to gain any advantage, intelligence agents resorted to unconventional means to gather information. One of the most unusual and gritty operations was the collection and analysis of discarded waste left behind by Soviet troops in East Germany.

  ऑपरेशन टैमारिस्क एक गुप्त खुफिया ऑपरेशन था जो शीत युद्ध के दौरान हुआ था, यह वह समय था जब संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच भयंकर प्रतिद्वंद्विता थी। किसी भी लाभ को प्राप्त करने के लिए, खुफिया एजेंटों ने जानकारी इकट्ठा करने के लिए अपरंपरागत तरीकों का सहारा लिया। सबसे असामान्य और गंभीर ऑपरेशनों में से एक पूर्वी जर्मनी में सोवियत सैनिकों द्वारा छोड़े गए बेकार कचरे का संग्रह और विश्लेषण था।

Raja Raja Chola I : Birth Anniversary राजा राजा चोल प्रथमः जयंती

- The birth anniversary of the legendary Chola emperor Raja Raja Chola I is celebrated every year during the Sadhaya Vizha in Thanjavur of Tamil Nadu.
  प्रसिद्ध चोल सम्राट राजा राजा चोल प्रथम की जयंती हर साल तमिलनाडु के तंजावुर में साध्या विझा के दौरान मनाई जाती है।
- Raja Raja Chola I was born as Arulmozhi Varman in 947 CE, he rose to become one of history's most illustrious and visionary rulers.
  राजा राजा चोल प्रथम का जन्म 947 ईस्वी में अरुलमोझी वर्मन के रूप में हुआ था, वह इतिहास के सबसे शानदार और दूरदर्शी शासकों में से एक बन गए।

Raja Raja Chola I : Birth Anniversary राजा राजा चोल प्रथमः जयंती

- He was revered as Raja Raja the Great, he inherited the legacy of his ancestors and crafted an empire that flourished both militarily and culturally. प्रसिद्ध चोल सम्राट राजा राजा चोल प्रथम की जयंती हर साल तमिलनाडु के तंजावुर में साध्या विझा के दौरान मनाई जाती है।
- His reign, from 985 to 1014 CE, was marked by military prowess and profound administrative vision.
  राजा राजा चोल प्रथम का जन्म 947 ईस्वी में अरुलमोझी वर्मन के रूप में हुआ था, वह इतिहास के सबसे शानदार और दूरदर्शी शासकों में से एक बन गए।

Raja Raja Chola I : Birth Anniversary राजा राजा चोल प्रथमः जयंती

- During his reign, the Cholas expanded beyond South India with their domains stretching from Sri Lanka in the south to Kalinga in the north.
  उनके शासनकाल के दौरान, चोलों का विस्तार दक्षिण भारत से परे, दक्षिण में श्रीलंका से लेकर उत्तर में कलिंग तक फैला हुआ था।
- He also launched several naval campaigns that resulted in the capture of the Malabar Coast as well as the Maldives and Sri Lanka.
  उन्होंने कई नौसैनिक अभियान भी चलाए जिसके परिणामस्वरूप मालाबार तट के साथ–साथ मालदीव और श्रीलंका पर भी कब्जा हो गया।